॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

षष्ठं गृहं के व्रतोत्सव टिप्पणी

षष्ठ पीठाधिश्वर पू.पा.गो.१०८

श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री

की आज्ञा से प्रकाशित

विक्रम संवत् २०८३

सिद्धार्थि नाम संवत्सरे शालिवाहन शाके १९४८ (1948)

पराभव नाम संवत्सरे श्री वल्लभाब्द ५४८–५४९ (548-549)

ई.स. 2026 - 2027

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

जगद्गुरु श्रीमद् वल्लभाचार्यजी महाप्रभुजी

श्री आध्य षष्ठ गृहाधीपति
श्री यदुनाथजी महाराज

नि.ली. श्री गिरधरलालजी महाराज

नि.ली. श्री वल्लभलालजी महाराज

षष्ठपीठाधिश्वर प.पू.गो.१०८
श्री द्वारकेशलालजी (श्री गिरधरलालजी) महाराजश्री
मार्गशीर्ष कृष्ण ४ (संवत २०२४)

श्री आश्रयकुमारजी (श्री वल्लभलालजी)
फाल्गुन कृष्ण १२ (संवत २०५३)

श्री शरणमकुमारजी (श्री विठ्ठलनाथजी)
जेष्ठ शुक्ल ८ (संवत २०५६)

चि. गो. श्री यदुराजजी (श्री यदुपतिजी)
मार्गशिर्ष कृष्ण ४ (संवत २०७७)

चि. गो. श्री कृष्णराजजी (श्री प्रद्युम्नजी)
श्रावण कृष्ण ८ (संवत २०८१)

चि. गो. श्री गोवर्धनरायजी (श्री गोपीनाथजी)
फाल्गुन शुक्ल ८ (संवत २०८१)

षष्ठपीठ एवं श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री के अंतर्गत
सभी हवेली एवं मंदिर इस अनुसार वर्षोत्सव मनायें ।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु र्विजयते ॥
॥ श्री गोपीजन वल्लभाय नमः ॥
॥ श्री मदाचार्यचरण कमलेभ्यो नमः ॥
॥ श्री यदुनाथ महाप्रभु र्विजयते ॥

षष्ठ गृह (पीठ) की

व्रतोत्सव

टिप्पणी

सन् 2026-2027

टिप्पणी

टिप्पणी प्राप्ति स्थान

षष्ठपीठ, श्री कल्याणरायजी हवेली,

बाजवाडा, शेठ शेरी, मांडवी, वडोदरा.

फोन नं. (0265) 2423322, 2426942

Email: kalyanraijimandir@outlook.com

चैत्र शुक्ल पक्ष (गुज. चैत्र सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८३			मार्च - अप्रैल - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	शुक्र	20	सन २०२६, श्री यदुनाथजी के ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) को उत्सव संवत (१६३४)
३	शनि	21	लाल गणगौर ।
४	रवि	22	हरी गणगौर ।
५	सोम	23	गुलाबी गणगौर ।
६	मंगल	24	श्री विठ्ठलनाथजी के षष्ठ आत्मज आद्य षष्ठ गृहाधीश श्रीयदुनाथजी महाराजजी को उत्सव (संवत १६१५) । यमुना छठ्ठ । केसरी गणगौर ।
७	बुध	25	----
८	गुरु	26	----
९	शुक्र	27	श्री रामनवमी जयंती व्रत ।
१०	शनि	28	श्री रामनवमी व्रत के पारणा । प्रातः ८.४७ पुर्व करनो ।
११	रवि	29	कामदा एकादशी व्रत । श्री महाप्रभुजी के उत्सव की वधाई (१५ दिन)
१२	सोम	30	----
१३	मंगल	31	----
१४	बुध	01	अप्रैल ।
१५	गुरु	02	ईष्टिः । लघु रासोत्सव, चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नानारम्भ ।

वैशाख कृष्ण पक्ष (गुज. चैत्र वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८ - ५४९

संवत २०८३			अप्रैल - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	03	----
२	शनि	04	----
३	रवि	05	विद्यमान षष्ठ गृहाधिश गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री गोद पधारे, तिलक उत्सव (संवत २०४६)
४	सोम	06	श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बडी बधाई (८ दिन)।
५	मंगल	07	----
६	बुध	08	----
७	गुरु	09	पाटोत्सव श्री विठ्ठलनाथजी, नाथद्वारा।
८	शुक्र	10	श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ३) के उत्सव की बधाई।
९	शनि	11	----
१०	रवि	12	----
११	सोम	13	वरुथिनी एकादशी व्रत। श्री महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (संवत १५३५)। श्री वल्लभाब्द ५४९ को प्रारम्भः। श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ३) को उत्सव (संवत १९९०)।
१२	मंगल	14	मेष संक्राति। श्री प्रभु आज सतुवा गोपी वल्लभ / राजभोग में पूण्यकाल सूर्योदय सूं दोपहर ०१.३३ पर्यन्त है। तामे भी प्रातः ७.३३० सूं अति मुख्य पुण्यकाल है। श्री कूं भोग धरे पीछे दान पुण्यादि करने। अबके यह संक्रान्ति १२ मंगल कूं प्रातः ६.३३ पर बैठी है। तासूं पुण्यकाल आज मान्यो जायेगो।
१३	बुध	15	----
१४	गुरु	16	----
३०	शुक्र	17	दर्श अमावस्या।

वैशाख शुक्ल पक्ष (गुज. वैशाख सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			अप्रैल - मई - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	18	ईष्टिः ।
२	रवि	19	----
३	सोम	20	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, त्रेतायुगादि । चतुर्थी को क्षय
५	मंगल	21	पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, राजनगर ।
६	बुध	22	----
७	गुरु	23	----
८	शुक्र	24	----
९	शनि	25	----
१०	रवि	26	----
११	सोम	27	मोहिनी एकादशी व्रत ।
१२	मंगल	28	----
१३	बुध	29	----
१४	गुरु	30	श्री नृसिंह जयंती व्रत ।
१५	शुक्र	01	मई । पूर्णिमा । वैशाख स्नान समाप्ति ।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. वैशाख वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			मई - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	02	ईष्टिः ।
२	रवि	03	श्री प्रभु के फूल के श्रृंगार को प्रारंभ । षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु को प्रथम पाटोत्सव । छप्पनभोग उत्सव(संवत २०६७) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराज कृत ।
३	सोम	04	----
४	मंगल	05	चतुर्थी वृध्धी तिथि ।
४	बुध	06	----
५	गुरु	07	----
६	शुक्र	08	----
७	शनि	09	----
८	रवि	10	----
९	सोम	11	----
१०	मंगल	12	----
११	बुध	13	अपरा एकादशी व्रत ।
१२	गुरु	14	----
१३	शुक्र	15	----
३०	शनि	16	दर्श-भावुका अमावस्या ।

अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (गुज. अधिक जेठ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			मई - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	17	इष्टि: । अधिकमास पुरुषोत्तम मास को आरम्भ । प्रतिदिवस दान या मास में प्रशस्त है। या मास में नित्य सेवा को विशेष नियम तथा भगवान्नाम जाप, गीता भगवतादिकन के पाठ यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन गोपूजनादि जो बन सके तो कछूं भी सत्कृत्य नित्य अवश्य करनो । दान को संकल्प पुष्ठ २७ पर लिख्यो है ।
२	सोम	18	----
३	मंगल	19	----
४	बुध	20	----
५	गुरु	21	----
६	शुक्र	22	----
८	शनि	23	जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि.शरणमकुमारजी)(संवत २०५६)
९	रवि	24	----
१०	सोम	25	सूर्य रोहिनी में आज दोपहर २.३६ सूं लेके अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ८.६.२०२६ को दिन के ९.३३ तक हैं इस दिनन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है ।
११	मंगल	26	----
११	बुध	27	कमला एकादशी व्रतम, या दिन व्यतीपात होयवे सूं कछु भी विशेष भोग श्री कूं धरनो तथा थोडो बहुत कछु भी दान ब्राह्मण भोजन यथाशक्ति करनो । दोनों एकादशी में नित्य पात्र दान दूधघर की अथवा फलाहार की वस्तु सूं करनो चाहिए ।
१२	गुरु	28	----
१३	शुक्र	29	----
१४	शनि	30	----
१५	रवि	31	पुण्य दिनम्

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. अधिक जेठ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			जून - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	01	जून । ईष्टिः ।
२	मंगल	02	----
३	बुध	03	----
४	गुरु	04	----
५	शुक्र	05	----
६	शनि	06	वैधृति योग १०.५ पश्चात, पुण्यदिनम् ।
७	रवि	07	१०.२ तक या दिन वैधृति हे तासूं ये भी अति पुण्य को समय है । तासूं कछु भी श्री के मनोरथ दानादिक यथाशक्ति करनो ।
८	सोम	08	----
९	मंगल	09	----
१०	बुध	10	----
११	गुरु	11	कमला एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	12	----
१३	शनि	13	----
१४	रवि	14	----
३०	सोम	15	सोमवती अमावस योग प्रातः ८.२५ तक, पुण्यदिनम् । अधिकमास - पुरुषोत्तम मास के नियम की समाप्ति । इष्टिः ।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (गुज. जेठ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			जून - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	मंगल	16	एकम को क्षय । श्री यदुनाथजी के चतुर्थ आत्मज श्री बालकृष्णजी को उत्सव (संवत १९४४) ।
३	बुध	17	----
४	गुरु	18	----
५	शुक्र	19	----
६	शनि	20	----
७	रवि	21	----
८	सोम	22	श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) के उत्सव की बधाई । जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि.शरणमकुमारजी)(संवत २०५६) (जेष्ठ अधिक होयवे सूं तामे मनावत हैं ।)
९	मंगल	23	----
१०	बुध	24	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव ।
११	गुरु	25	निर्जला एकादशी व्रत । श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) को उत्सव (संवत १७८३) ।
१२	शुक्र	26	----
१३	शनि	27	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्री नटवर प्रभु निज गृह बडोदा में संग बिराजे (संवत २०१५) । स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो ।
१४	रवि	28	स्नानयात्रा । ज्येष्ठाभिषेक । प्रातः मंगला के बाद श्री प्रभु को सूर्योदय पूर्व स्नान कराने ।
१५	सोम	29	----

आषाढ कृष्ण पक्ष (गुज. जेठ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			जून - जुलाई - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म वर्षा ऋतु : रवि उत्तरायणे - दक्षिणायने
१	मंगल	30	ईष्टिः ।
१	बुध	01	जुलाई ।
२	गुरु	02	----
३	शुक्र	03	----
४	शनि	04	----
५	रवि	05	----
६	सोम	06	----
७	मंगल	07	----
८	बुध	08	श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) के उत्सव की बधाई ।
९	गुरु	09	----
१०	शुक्र	10	एकादशी को क्षय । दक्षिणायन प्रारंभ, वर्षाऋतु प्रारंभ ।
१२	शनि	11	योगिनी एकादशी व्रत । श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) को उत्सव (संवत १७१७) ।
१३	रवि	12	----
१४	सोम	13	----
३०	मंगल	14	----

आषाढ शुक्ल पक्ष (गुज. आषाढ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			जुलाई - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	15	ईष्टिः। रथयात्रा ।
२	गुरु	16	----
३	शुक्र	17	----
५	शनि	18	श्री द्वारकाधीशजी को पाटोत्सव (काँकरोली) (संवत १७२०) ।
६	रवि	19	कसुम्बा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू, श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव ।
७	सोम	20	----
८	मंगल	21	----
९	बुध	22	नवमी की वृद्धि ।
९	गुरु	23	----
१०	शुक्र	24	बैंगन दशमी ।
११	शनि	25	देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ ।
१२	रवि	26	----
१३	सोम	27	----
१४	मंगल	28	----
१५	बुध	29	गुरु पूर्णिमा । चातुर्मास प्रारंभ । व्यास पूर्णिमा । कचोरी पूनम । पर्वात्मक उत्सव । चातुर्मास नियमारंभ एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो । ता मे पूर्णिमा मुख्य ।

श्रावण कृष्ण पक्ष (गुज. आषाढ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			जुलाई - अगस्त - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	30	इष्टिः । हिन्डौरा आरम्भ ।
२	शुक्र	31	----
३	शनि	01	अगस्त ।
४	रवि	02	श्री गोकुलचंद्रमाजी को पाटोत्सव (कामवन) श्री गोकुलनाथजी को पाटोत्सव (गोकुल) ।
५	सोम	03	----
६	मंगल	04	----
७	बुध	05	----
८	गुरु	06	जन्माष्टमी की बधाई । केसरी घटा । श्री आश्रयकुमारजी के द्वितीय पुत्र चि. श्री कृष्णराजजी (श्री प्रद्युम्नजी) को जन्मदिन (२०८१) ।
९	शुक्र	07	----
१०	शनि	08	----
११	रवि	09	कामिका एकादशी व्रत ।
१२	सोम	10	पीली घटा । श्री प्रद्युमनजी(टिकेत ५)के उत्सव कि बधाई । तेरस को क्षय होय वे सू आज ।
१४	मंगल	11	----
३०	बुध	12	हरियाली अमावस्या । हरि घटा ।

श्रावण शुक्ल पक्ष (गुज. श्रावण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			अगस्त - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	13	इष्टिः। श्री प्रद्युमनजी(टिकेत ५)को उत्सव (संवत १७६२) लाल घटा।
२	शुक्र	14	श्री यदुनाथजी के तृतीय आत्मज श्री जगन्नाथजी को उत्सव (संवत १६४२)
३	शनि	15	ठकुरानी तीज मधुश्रवा ।
४	रवि	16	फिरोजी घटा ।
५	सोम	17	नागपंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्वभुजा के दर्शन ।
६	मंगल	18	गुलाबी घटा ।
७	बुध	19	----
८	गुरु	20	हेम हिन्डोला । सफेद घटा ।
९	शुक्र	21	इन्द्रधनुषी घटा ।
१०	शनि	22	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु को द्वितीय पाटोत्सव ।
११	रवि	23	----
१२	सोम	24	पुत्रदा एकादशी व्रत, पवित्रा एकादशी, श्रीनकूं पवित्रा प्रातः श्रृंगार में धरने । जन्माष्टमी की बडी बधाई ।
१२	मंगल	25	पवित्रा बारस - गुरुनकूं पवित्रा धरावें । बारस की वृद्धि ।
१३	बुध	26	तेरस को बगीचा । ऋगवेदीन की श्रावणी यजुर्वेदिन तथा अभर्ववेदीन की श्रावणी ।
१४	गुरु	27	----
१५	शुक्र	28	रक्षाबंधन, श्रीनकु प्रातः श्रृंगार में ९.४९ पुर्व रक्षा धरावें । आपस्थंभ हिरण्य केशीय, बौधायन, काण्व, माध्यंद्रिन, प्रभृति सर्व, ऋग्वेदीन, युर्जवेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी ।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष (गुज. श्रावण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			अगस्त - सितंबर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा- शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	29	इष्टिः ।
२	रवि	30	----
३	सोम	31	कज्जली तीज । हिन्डौरा विजय संध्या समय (भोग संध्या में)।
४	मंगल	01	सितंबर । पंचमी को क्षय ।
६	बुध	02	----
७	गुरु	03	शयन में षष्ठी को उत्सव । विष्णुस्वामी प्राकटयोत्सव ।
८	शुक्र	04	जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जन्मोत्सव ।
९	शनि	05	नंद महोत्सव ।
१०	रवि	06	----
११	सोम	07	अजा एकादशी व्रत ।
१२	मंगल	08	----
१३	बुध	09	छठ्ठी को पलना ।
१४	गुरु	10	----
३०	शुक्र	11	कुशग्रहणी-अमावस्या । ईष्टिः ।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (गुज. भादरवा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			सितंबर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	12	श्री राधाष्टमी की बधाई (८ दिन) ।
२	रवि	13	सामवेदीन की श्रावणी ।
३	सोम	14	गणेश चतुर्थी ।
४	मंगल	15	----
५	बुध	16	ऋषि पंचमी ।
६	गुरु	17	----
७	शुक्र	18	श्री यदुनाथजी के द्वितीय आत्मज श्री रामचन्द्रजी को उत्सव (संवत १९३८)
८	शनि	19	श्री राधाष्टमी ।
९	रवि	20	----
१०	सोम	21	----
११	मंगल	22	परिवर्तिनी - दान एकादशी व्रत । श्री वामन जयंति व्रत । विष्णु श्रृखंल योग ।
१२	बुध	23	----
१३	गुरु	24	----
१४	शुक्र	25	----
१५	शनि	26	पूर्णिमा । साँझी को प्रारम्भ ।

आश्विन कृष्ण पक्ष (गुज. भादरवा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			सितंबर - अक्टुबर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	27	ईष्टिः ।महालय श्राद्ध पक्ष आरंभ । श्राध्ध पक्ष को निर्णय पृष्ठ ०० में देखे ।
२	सोम	28	द्वितीया को श्राद्ध ।
३	मंगल	29	तृतीया को श्राद्ध ।
४	बुध	30	चतुर्थी को श्राद्ध । पंचमी को श्राद्ध। श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२) के उत्सव की बधाई ।
५	गुरु	01	अक्टूबर । षष्ठी को श्राद्ध ।
६	शुक्र	02	सप्तमी को श्राद्ध ।
७	शनि	03	अष्टमी को श्राद्ध । श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२) को उत्सव (संवत १९६२)। महादान मनोरथ निज मंदिर में । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्रीगोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (संवत १५८७) अष्टमी को क्षय होयवे सूं आज ।
९	रवि	04	नवमी को श्राद्ध, अविधवा नवमी । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के उत्सव की बधाई (४ दिन),श्री गिरधरलालजी (टिकेत ११) के उत्सव की बधाई ।
१०	सोम	05	दशमी को श्राद्ध ।
११	मंगल	06	एकादशी को श्राद्ध । इन्दिरा एकादशी व्रत ।
१२	बुध	07	द्वादशी को श्राद्ध । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत १५६७)। श्री गिरधरलालजी (टिकेत ११)को उत्सव (संवत १९२३)। महादान मनोरथ ।
१३	गुरु	08	त्रयोदशी श्राद्ध । श्री गुसांइजी के तृतीय पुत्र श्री बालकृष्णलालजी को उत्सव (संवत १६०६)।
१४	शुक्र	09	चतुर्दशी को श्राद्ध । शस्त्र हतन को श्राध्ध ।
३०	शनि	10	सर्वपितृ दर्श अमावस्या, अमावस्या श्राद्ध । कोट की आरती और सांझी की समाप्ति ।

आश्विन शुक्ल पक्ष (गुज. आसो सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			अक्टूबर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	11	इष्टिः । नवरात्रि प्रारम्भ । मातामह श्राध्ध । अंकुरारोपणम् ।
२	सोम	12	----
३	मंगल	13	श्री यदुनाथजी के पंचम आत्मज श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत १९४७) ।
४	बुध	14	----
५	गुरु	15	----
६	शुक्र	16	----
७	शनि	17	सरस्वती आवाहन , पूजनारंभः ।
७	रवि	18	----
८	सोम	19	----
९	मंगल	20	दशहरा (विजयादशमी)। सरस्वती विसर्जनम् । अंकुरार्पण भोग-संध्या में ।
१०	बुध	21	----
११	गुरु	22	पाशांकुशा एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	23	----
१३	शनि	24	श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) के उत्सव की बधाई ।
१४	रवि	25	शरद पूर्णिमा - रासोत्सव ।
१५	सोम	26	इष्टिः । कार्तिक स्नानारम्भ । दिन की शरद ।

कार्तिक कृष्ण पक्ष (गुज. आसो वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			अक्टुबर - नवम्बर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	27	श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) को उत्सव (संवत १८१७) । द्वितीय को क्षय ।
३	बुध	28	----
४	गुरु	29	----
५	शुक्र	30	----
६	शनि	31	----
७	रवि	01	नवम्बर ।
८	सोम	02	----
९	मंगल	03	----
१०	बुध	04	हटडी आरंभ ।
११	गुरु	05	रमा एकादशी व्रत । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८) के उत्सव की बधाई । गोवत्स द्वादशी ।
१२	शुक्र	06	----
१३	शनि	07	धन त्रयोदशी ।
१४	रवि	08	रुप चतुर्दशी । अभ्यंग । दीपावली, हटडी, कानजगाई । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८)को उत्सव (संवत १८३६) । श्री वल्लभलालजी(टिकेत १०)के उत्सव की बधाई ।
३०	सोम	09	सोमवती अमावस्या । गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव । गुर्जराणां वि. सं. २०८२ समाप्त ।

कार्तिक शुक्ल पक्ष (गुज. कार्तिक सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			नवम्बर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद - हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	10	गुर्जराणां नूतनवर्ष सं.२०८३ प्रारंभ । श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) सुत श्री गोकुलनाथजी (२) को उत्सव (संवत १८९६) ।
२	बुध	11	यम द्वितीया (भाईदूज)। श्री वल्लभलालजी (टिकेत १०) को उत्सव (संवत १९०७)।
३	गुरु	12	----
४	शुक्र	13	----
५	शनि	14	लाभ पंचमी । श्री कल्याणराय प्रभु व्रज में पधारे (संवत २०६५) व्रजानंद महोत्सव ।
६	रवि	15	----
७	सोम	16	----
८	मंगल	17	गोपाष्टमी ।श्री कल्याणराय प्रभु गोकुल के निज प्राचीन गृह-मंदिर में बिराजे(संवत २०६५)।
९	बुध	18	अक्षयनवमी। कुष्माण्डदान, कृतयुगादि। श्री कल्याणरायजी एवं श्री गिरिराजजी (जतीपुरा) को संग कुनवारा भयो(संवत २०६५)
९	गुरु	19	----
१०	शुक्र	20	श्री कल्याणराय प्रभु जतिपुरा श्री कल्याणरायजी मंदिर में बिराजे (सं. २०६५) ।
१२	शनि	21	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) एकादशी व्रत देवोत्थापन सायं भोग संध्या में । उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरिधरजी (संवत १५९७) एवं पंचम पुत्र श्री रघुनाथजी (संवत १६११)। एकादशी को क्षय होयवे सूं आज ।
१३	रवि	22	श्री कल्याणराय प्रभु ,श्री गोकुल चंद्रमाजी,एवं श्रीमदनमोहनजी को संग छप्पन भोग उत्सव (कामवन) (सं २०६५) ।
१४	सोम	23	----
१५	मंगल	24	कार्तिक स्नान समाप्ति, चातुर्मास नियम समाप्ति, देवदिवाली । गोपमासारंभ ।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गुज. कार्तक वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			नवम्बर - दिसंबर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
९	बुध	25	इष्टिः । गोपमास आरंभ । व्रतचर्या । छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री छोटे मदनमोहनजी (मथुरा) (संवत २०६५) ।
२	गुरु	26	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री बडेमदनमोहनजी (मथुरा) (संवत २०६५) ।
३	शुक्र	27	चतुर्थी को क्षय । विद्यमान टिकेत श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री (संवत २०२४) को जन्मदिन एवं आपके आत्मज श्रीआश्रयकुमारजी के पुत्र चि. श्री यदुपतिजी (श्री यदुराजजी) को जन्मदिन (संवत २०७७)। चतुर्थी को क्षय होयवे सूं आज ।
५	शनि	28	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु राजाधिराज मंदिर मथुरा में बिराजे (संवत २०६५) ।
६	रवि	29	----
७	सोम	30	छप्पनभोग उत्सव- विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०७३) ।
८	मंगल	01	दिसंबर । द्वितीय पुत्र श्री गोविंदरायजी को उत्सव (संवत १५९९), श्री कल्याणराय प्रभु काँकरोली पधारे (संवत २०६५) ।
९	बुध	02	----
१०	गुरु	03	----
११	शुक्र	04	उत्पत्ति एकादशी व्रत ।
१२	शनि	05	हरी घटा एवं सखडी को प्रथम मंगलभोग ।
१३	रवि	06	सप्तम पुत्र श्री घनश्यामजी को उत्सव (संवत १६२८)। श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को उत्सव (संवत १९६४) । केसरी घटा ।
१४	सोम	07	----
३०	मंगल	08	दर्श अमावस्या । अन्वाधान । श्याम घटा ।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (गुज. मागशर सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			दिसंबर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	09	ईष्टिः । प्रतिप्रदा की वृद्धि ।
१	गुरु	10	----
२	शुक्र	11	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु बेठक मंदिर पधारे । नि. लि. तृ.गृ. श्री व्रजेशकुमारजी कृत (संवत २०४८) । छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु, श्री नवनीतप्रियाजी, श्री द्वारकाधिशजी, श्री विठ्ठलनाथजी एवं श्री मथुराधिशजी (कांकरोली), विठ्ठल विलास बाग में पधारे नि. लि. तृ.गृ.श्री व्रजेशकुमारजी एवं विद्यमान ष.गृ. श्री द्वारकेशलालजी कृत(संवत.२०६५)।
३	शनि	12	----
४	रवि	13	श्री कल्याणरायप्रभु व्रजसे पुनः निजगृह-बडौदा पधारे २०६५ ।
५	सोम	14	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी (कामवन) ।
६	मंगल	15	----
७	बुध	16	चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी को उत्सव (संवत १६०८) छप्पनभोग उत्सव (संवत २०६५) विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत । धनुर्मासारंभ प्रातः १०.२५ से
८	गुरु	17	----
९	शुक्र	18	----
१०	शनि	19	श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री को विवाहोत्सव(सं.२०४९) ।
११	रवि	20	मोक्षदा एकादशी व्रत।
१२	सोम	21	पीली घटा एवं सखडी को द्वितीय मंगलभोग ।
१३	मंगल	22	छप्पनभोग उत्सव (सं.२०४१) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत ।
१४	बुध	23	श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने हैं । श्री दाउजी को पाटोत्सव । गोपमास व्रतचर्या समाप्ति । पूर्णिमा को क्षय होयवे सूं आज ।

पौष कृष्ण पक्ष (गुज. मागशर वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			दिसंबर 2026 - जनवरी - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत - शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायने
१	गुरु	24	इष्टिः । श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई (८ दिन) ।
२	शुक्र	25	----
३	शनि	26	----
४	रवि	27	----
५	सोम	28	----
६	मंगल	29	----
७	बुध	30	----
८	गुरु	31	----
९	शुक्र	01	जनवरी - २०२७ । प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी (श्री गुसांईजी) को उत्सव (संवत १५७२)
१०	शनि	02	----
११	रवि	03	सफला एकादशी व्रत । आज के दिन प्रभु को विशेषतः फल भोग में धरनो । श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) के उत्सव की बधाई ।
१२	सोम	04	सफेद घटा एवं सखडी को तृतीय मंगलभोग ।
१३	मंगल	05	----
१४	बुध	06	श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) को उत्सव (संवत १८६९) । छप्पन भोग उत्सव (संवत २०७४) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत ।
३०	गुरु	07	दर्श अमावस्या ।

पोष शुक्ल पक्ष (गुज. पोष सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			जनवरी - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	08	इष्टिः ।
२	शनि	09	----
३	रवि	10	तृतिया की वृद्धि ।
३	सोम	11	----
४	मंगल	12	----
५	बुध	13	----
६	गुरु	14	श्रीमहाप्रभुजी (नरोडा बैठक) को पाटोत्सव । धर्नुमास की समाप्ति । भोगी उत्सव ।
७	शुक्र	15	मकर संक्राति । तिल की सामग्री अवश्य भोग धरनी । तिल के दान भक्षणादि करने। तिलवा भोग गोपीवल्लभ अथवा राजभोग में धरने । ता पीछे दान- श्राद्धादि करने । पुण्यकाल आज सूर्योदय से लेके दिनके ३.२३ पर्यन्त है ।
८	शनि	16	----
९	रवि	17	----
१०	सोम	18	श्री बालकृष्णलालजी (श्री व्रजेशकुमारजी महाराज - कांकरोली) को उत्सव (सं. १९९६)
११	मंगल	19	पुत्रदा एकादशी व्रत ।
१३	बुध	20	मेघश्याम घटा । सखडी को चतुर्थ मंगल भोग ।
१४	गुरु	21	----
१५	शुक्र	22	पूर्णिमा । छप्पनभोग उत्सव (संवत २०१५) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत । माघस्नानारंभ ।

माघ कृष्ण पक्ष (गुज. पोष वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			जनवरी - फरवरी - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	23	----
२	रवि	24	----
3	सोम	25	चतुर्थी को क्षय ।
५	मंगल	26	----
६	बुध	27	----
७	गुरु	28	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणरायप्रभु, श्री महाप्रभुजी बेठक - नरोडा पधारे । विद्यमान ष.गृ.गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०७६) ।
८	शुक्र	29	----
९	शनि	30	----
१०	रवि	31	दशमी की वृध्धी तिथी ।
१०	सोम	01	फरवरी ।
११	मंगल	02	षट्तिला एकादशी व्रत । गो.श्री आश्रयकुमारजी(वल्लभलालजी) को विवाह उत्सव ।
१२	बुध	03	लाल घटा ।
१३	गुरु	04	----
१४	शुक्र	05	----
३०	शनि	06	दर्श अमावस्या ।

माघ शुक्ल पक्ष (गुज. महा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			फरवरी - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	07	इष्टिः । छप्पनभोग उत्सव - गो.श्री वल्लभलालजी (चि.आश्रयकुमारजी)के विवाह उपलक्ष निज गृह (बडौदा) में विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७६)
२	सोम	08	----
३	मंगल	09	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री गोकुलचंद्रमाजी बडौदा निज गृह में विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७०)
४	बुध	10	----
५	गुरु	11	वसंत पंचमी ।
६	शुक्र	12	----
७	शनि	13	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री मदनमोहनजी बडौदा निज गृह में विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६२)। छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री लाडीलेशजी (सुरत) बडौदा निज गृह में विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६३)
८	रवि	14	----
९	सोम	15	----
१०	मंगल	16	----
११	बुध	17	जया एकादशी व्रत ।
१२	गुरु	18	----
१३	शुक्र	19	----
१४	शनि	20	पूर्णिमा को क्षय । माघी पूर्णिमा । माघ स्नान समाप्ति । होरी दन्डा रोपणं - सूर्यास्त सायं ६.३१ पश्चात याही समय धमार को आरंभ ।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (गुज. महा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			फरवरी - मार्च - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर - वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	21	इष्टिः । छप्पनभोग उत्सव - पुष्टि पर्व अंर्तगत श्री कल्याणराय प्रभु नरोडा श्री महाप्रभुजी बैठक पधारे विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०६८) छप्पनभोग उत्सव - गो. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणम्कुमारजी) के विवाह उपलक्ष निजगृह (बडौदा) में विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०७९) ।
२	सोम	22	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु एवं सप्तम निधि श्री मदनमोहनजी संग में विवाह मनोरथ में बिराजे - षष्ठगृह बडौदा (सं २०७९) ।
3	मंगल	23	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्रीनटवरलाल प्रभु संग असारवा बेठक में बगीचा मनोरथ में बिराजे (सं २०६८)
४	बुध	24	गो. श्री विठ्ठलनाथजी(चि.शरणम्कुमारजी) को विवाह उत्सव (सं.२०७९)
५	गुरु	25	----
६	शुक्र	26	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु श्री कल्याणपुष्टि हवेली (अहमदाबाद) में विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०६८) ।
७	शनि	27	श्रीनाथजी को पाटोत्सव ।
८	रवि	28	----
९	सोम	01	मार्च ।
१०	मंगल	02	----
११	बुध	03	एकादशी की वृध्धि ।
११	गुरु	04	विजया एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	05	जन्मदिन चि. गो. श्री वल्लभलालजी (गो. श्री आश्रयकुमारजी) (संवत २०५३) ।
१३	शनि	06	शिवरात्री ।
१४	रवि	07	----
३०	सोम	08	सोमवती अमावस ।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (गुज. फागण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			मार्च - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	09	इष्टिः ।
२	बुध	10	----
३	गुरु	11	----
४	शुक्र	12	----
५	शनि	13	नि.ली.श्री वल्लभलालजी एवं नि.ली.श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को विवाह उत्सव । बगीचा ।
६	रवि	14	----
७	सोम	15	श्री मथुराधीशजी को पाटोत्सव (कोटा) ।
८	मंगल	16	होलिकाष्टकारम्भ । श्री शरणमुकुमारजी के पुत्र चि. श्री गोवर्धनरायजी (श्री गोपीनाथजी)को जन्मदिन (२०८१) । नवमी को क्षय ।
१०	बुध	17	----
११	गुरु	18	आमलकी एकादशी व्रत, कुंज एकादशी ।
१२	शुक्र	19	----
१३	शनि	20	बगीचा तेरस ।
१४	रवि	21	होली । होलीका प्रदीपन प्रातः मंगल भोग के भद्रा निवृत्ति ५.१६ पश्चात तथा सूर्योदययात् ६.३८ पूर्व करनो ।
१५	सोम	22	धुरेण्डी । दोलोत्सव ।

चैत्र कृष्ण पक्ष (गुज. फागण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			मार्च - अप्रेल - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	23	इष्टिः । द्वितीया पाट ।
२	बुध	24	----
३	गुरु	25	----
४	शुक्र	26	----
५	शनि	27	रंगपंचमी ।
६	रवि	28	----
७	सोम	29	----
८	मंगल	30	----
९	बुध	31	गुप्त उत्सव ।
१०	गुरु	01	अप्रेल ।
११	शुक्र	02	पापमोचनी एकादशी व्रत ।
१२	शनि	03	----
१३	रवि	04	----
१४	सोम	05	षष्ठ पुत्र श्री यदुनाथजी एवं आपके ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) के उत्सव की बधाई ।
३०	मंगल	06	दर्श अमावस्या । व्रज वि.सं. २०८३ एवं शालिवाहन शक १९४८ समाप्त ।वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात् ।

अधिकमास के दान को संकल्प

अधिक मास में नित्य अथवा पूर्वोक्त दिनन में ३३ पुवा अथवा पक्वान्न ३३ कांस्य के पात्रप में धरिके दक्षिणा सहित देने । बने तो घृत सुवर्ण तथा वस्त्र हूं संग देने ताको संकल्प आचमन करके करनो ।

विष्णुर्विष्णुर्विष्णु: श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्याज्ञया प्रवर्त्तमान स्याद्य ब्रह्मणो द्वितीय परर्द्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तमे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टार्विंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भूर्लोके जम्बूद्विपे भारतवर्षे आर्यावर्त्तान्तर्गत ब्रह्मावर्तैक देशे अमुक देशे बौद्धावतारे त्रय अशीति: अधिकद्विसहस्त्र संख्याके वैक्रमाब्दे सिद्धार्थिनाम संवत्सरे (नर्मदा) के दक्षिण तीर सूं लेके अष्टाचत्वारिंशत्युत्तर एकोन विंशतिशततमे शालिवाहन शाके पराभवनाम संवत्सरे ऐसो कहनो ।

ग्रीष्मऋतौ अधिक ज्येष्ठे पुरुषोत्तम मासे अमुकपक्षे अमुकतिथौ अमुक वासरान्वितायाममुकनक्षत्रे अमुक योगे अमुक करणे अमुकराशि स्थिते श्रीचन्द्रे वृष राशि स्थिते श्रीसूर्ये मिथुन राशि स्थिते श्री देवगुरौ अधिक ज्येष्ठ कृष्ण २ मंगलवारत: कर्क राशि स्थिते श्री देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थितेषु सत्स्वेवं ग्रहगुण विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्यतिथौ मम वर्षत्रयोपार्जित कायिक, वाचिक, मानसिक, सांसर्गिक समस्त पापक्षयार्थ पुराणोक्त शुभ फल प्राप्त्यर्थं श्रीगोपीजनवल्लभ प्रीत्यर्थमिमांस्त्रयस्त्रिंशद् पूपान् सहिरण्यान् सवस्त्रान् सदक्षिणान् यथानामगोत्राय यस्मै कस्मैचिद् ब्राह्मणाय दातुमहमुत्सृज्ये तेन पुण्येन भगवान् सर्वात्मा श्रीगोपीजनवल्लभ: प्रीयताम् अपूप के ठिकाने पक्वान होय तो "अपूपस्थानापन्न पक्वानि" ऐसो कहनो और धृत हिरण्यवस्त्रन में सूं न होय । ताके नाम को उच्चारण न करनो ।

दान के श्लोक

विष्णुरुपी सहस्त्रांशुः सर्वपापप्रणाशनः ।
अपूपान्नप्रदानेन मम पापं व्यपोहतु ।।१।।

नारायण जगद्बीज भास्करप्रतिरुपधृक् ।
दानेनाऽनेन पुत्रांश्च सम्पदं चाभिवर्द्धय ।।२।।

यस्य हस्ते गदाचक्रे गरुडो यस्य वाहनः ।
शंख करतले यस्य स मे विष्णुः प्रसीदतु ।।३।।

कलाकष्ठादिरुपेण निमेषघटिकादिना ।
यो वंचयति भूतानि तस्मै कालात्मने नमः ।।४।।

कुरुक्षेत्रसमो देशः कालः पर्व द्विजो हरिः।
पुथ्वीसममिदं दानं गृहाण पुरुषोत्तम ।।५।।

मलानां च विशुद्धयर्थं पापप्रशमनाय च ।
पुत्रपौत्रभिवृद्धयर्थं तव दास्यामि भास्कर ।।६।।

पूवा देने होय तो प्रथम श्लोक में अपूपान्न प्रदानेन है सो ही कहनो और पक्वान्न देने होय तो पक्वान्नानां प्रदानेन ऐसो कहनो पुरुषोत्तम मास के स्नान दानादि नियम नित्य न बन सके तो हूं वदि ११ गुरुवार सूं ३० सोमवार पर्यन्त इन ५ दिनन में अवश्य करनो चाहिये ।

दान नित्य न बन सके तो हूँ दोऊ द्वादशी, पूर्णिमा, अमावस्या, व्यतीपात इन पाँच पर्वन में अवश्य ही करनो । इन पर्वन में गोपूजन को बडो ही फल हैं ।

श्राद्धपक्ष को निर्णय
भाद्रपद कृष्ण पक्ष १, रविवार से आश्विन शुक्ल पक्ष १, रविवार तक
(दिनांक 27.09.2026 से 11.10.2026 तक)

तिथि	वार	दिनांक	श्राद्ध
आ.कृ. १	रवि	२७.०९	प्रतिपदा (एकम्) को श्राद्ध
आ.कृ. २	सोम	२८.०९	द्वितीया (दूज) को श्राद्ध
आ.कृ. ३	मंगल	२९.०९	तृतीया (तीज) को श्राद्ध एवं भरणी श्राद्ध
आ.कृ. ४	बुध	३०.०९	चतुर्थी (चौथ) एवं पंचमी (पाचम) को श्राद्ध
आ.कृ.५	गुरु	०१.१०	षष्ठी (छठ) को श्राध्ध
आ.कृ.६	शुक्र	०२.१०	सप्तमी (सातम) को श्राद्ध एवं व्यतीपात श्राद्ध
आ.कृ.७	शनि	०३.१०	अष्टमी (आठम) को श्राद्ध
आ.कृ.९	रवि	०४.१०	नवमी (नवम) को श्राद्ध व अविधवा नवमी
आ.कृ.१०	सोम	०५.१०	दशमी (दशम) को श्राद्ध
आ.कृ.११	मंगल	०६.१०	एकादशी (ग्यारस) को श्राद्ध
आ.कृ.१२	बुध	०७.१०	द्वादशी (बारस) को श्राद्ध एवं सन्यासीन को श्राद्ध एवं मघा श्राद्ध
आ.कृ.१३	गुरु	०८.१०	त्रयोदशी (तेरस) को श्राद्ध
आ.कृ.१४	शुक्र	०९.१०	चतुर्दशी (चौदस) निमित्तक घायलन को श्राद्ध, जल शस्त्र आदि सूं मरण पायो होय उनके ही या दिन श्राद्ध, मघा श्राद्ध
आ.कृ.३०	शनि	१०.१०	अमावस तथा सर्वपितृ को श्राद्ध
आ.शु.१	रवि	११.१०	मातामह श्राद्ध

विशेष : १. जाकी मरण तिथि चतुर्दशी अथवा पूर्णिमा होय ताको महालय श्राद्ध अष्टमी, द्वादशी, अमावस्या, व्यतीपात या में सूं कोई भी दिन करनो प्रशस्त है ।

२. षष्ठी शुक्र कूं व्यतीपात योग होय वे सूं यह दिवस श्राद्धादिक में विशेष प्रशस्त है ।

कोई भी तिथि को श्राद्ध रहि गयो होय या रही जायवे को सम्भव होय तो ताको श्राद्ध या दिवस करनो ।

।। इति श्राद्धपक्ष निर्णय समाप्त ।।

श्राद्धपक्ष को संकल्प

ॐ विष्णु: ३ श्रीमद् भगवतो महापुरुषस्य विष्णोरज्ञया प्रर्वत्तमान स्याद्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्री श्वेतवाराह कल्पे वैवस्वत मन्वन्तरेऽष्टा विंशति तमे कलियुगे कलि प्रथम चरणे भूर्लोके जंबूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गते ब्रह्मावर्तैक देशे अमुक देशे बौद्धावतारे कालनाम्नि द्वयशीति: अधिक द्विसहस्त्र संख्या के वैक्रमाब्दे शकानुसारेण विश्वावसु नाम्नि संवत्से दक्षिणायने शरद ऋतौ आश्विन मासे (गुर्जर भाद्रपद मासे) कृष्णपक्षे अमुक तिथौ वासरान्वितायां नक्षत्र, योगे, करणे अमुक राशि स्थिते श्रीसूर्ये, सिंह राशि स्थिते श्रीसूर्ये एकादशीत: कन्या राशि स्थिते श्रीसूर्ये मिथुन राशि स्थिते श्री देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थितेषु सत्वेवं ग्रह गुणा विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्यतिथौ मम (नाम सम्बन्धोच्चारण) एतेषां यथानाम् गोत्र रुपाणां पुरुष विषये सपत्नीकानां स्त्रीविषये सभर्तृक सपत्न्याम् विधिना महालयापर पक्ष श्राद्धमथवा सकृन्महालया पर पक्ष श्राद्ध सदैव सद्य: करिष्ये ।

वर्ष पर्यंत की एकादशी

दिनांक	वार	तिथि	एकादशी
29.03.2026	रविवार	चैत्र सुद	कामदा एकादशी
13.04.2026	सोमवार	चैत्र वद	वरुथिनी एकादशी
27.04.2026	सोमवार	वैशाख सुद	मोहिनी एकादशी
13.05.2026	बुधवार	वैशाख वद	अपरा एकादशी
27.05.2026	बुधवार	अधिक ज्येष्ठ सुद	कमला एकादशी
11.06.2026	गुरुवार	अधिक ज्येष्ठ सुद	कमला एकादशी
25.06.2026	गुरुवार	निज ज्येष्ठ सुद	निर्जला एकादशी
12.07.2026	शनिवार	निज ज्येष्ठ वद	योगिनी एकादशी
25.07.2026	शनिवार	अषाढ सुद	देवशयनी एकादशी
09.08.2026	रविवार	अषाढ वद	कामिका एकादशी
24.08.2026	सोमवार	श्रावण सुद	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी
07.09.2026	सोमवार	श्रावण वद	अजा एकादशी
22.09.2026	मंगलवार	भादरवा सुद	परिवर्तिनी (दान) एकादशी
06.10.2026	मंगलवार	भादरवा वद	इन्दिरा एकादशी
22.10.2026	गुरुवार	आसो सुद	पाशांकुशा एकादशी
05.11.2026	गुरुवार	आसो वद	रमा एकादशी
21.11.2026	शनिवार	कार्तक सुद	देव प्रबोधिनी एकादशी (तुलसी विवाह)
04.12.2026	शुक्रवार	कार्तक वद	उत्पत्ति एकादशी
20.12.2026	रविवार	मागशर सुद	मोक्षदा एकादशी
03.01.2027	रविवार	मागशर वद	सफला एकादशी
19.01.2027	मंगलवार	पोष सुद	पुत्रदा एकादशी
02.02.2027	मंगलवार	पोष वद	षट्तिला एकादशी
17.02.2027	बुधवार	महा सुद	जया एकादशी
04.03.2027	गुरुवार	महा वद	विजया एकादशी
18.03.2027	गुरुवार	फागण सुद	आमलकी (कुंज) एकादशी
02.04.2027	शुक्रवार	फागण वद	पापमोचनी एकादशी

वर्ष पर्यन्त के तिलक एवं पीताम्बर की सूचि

उत्सव	तिलक	पीताम्बर	समय	विशेष
जन्माष्टमी	✓	✓	श्रृंगार	श्री पादुकाजी कुं तिलक होय पितांबर नही पंचामृत समय चोकी पे तिलक होय
राधाष्टमी	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं तिलक होय पितांबर नही
वामन जयंति	-	✓	राजभोग	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही,और सर्वत्र धरें
दशहरा	✓	-	निर्णय अनुसार	सभी स्वरुप कुं तिलक होवें
रुप चर्तुदशी	✓	-	अभ्यंग समय	अभ्यंग समय स्नान चोकी पे तिलक होय
अन्नकुट	✓	-	भोग समय	शिखर, गुंजा पधराके तिलक करनो
भाई दुज	✓	-	राजभोग आरोगे तब	थाल सान के तिलक होय
प्रबोधिनी	-	-	निर्णय अनुसार	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय
श्री गुसांईजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
श्री यदुनाथजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
रामनवमी जयंति	-	✓	शयन	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही,और सर्वत्र धरें
श्री महाप्रभुजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
नृसिंह जयंति	-	✓	संध्या	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही,और सर्वत्र धरें
स्ननानयात्रा	✓	-	स्नान समय	सवेरे स्नान समय चोकी पे तिलक होय
रक्षाबंधन	✓	-	निर्णय अनुसार	रक्षा धरे तब

वर्ष पर्यन्त के श्री प्रभुके अभ्यंग की सूचि

१. जन्माष्टमी

२. राधाष्टमी

३. वामन जयंति

जो दान एकादशी तथा वामन जयंति अलग होय तो वामन जयंति-द्वादशी कुं करने

४. प्रथम विलास

५. दशहरा

६. रुपचर्तुदशी

७. भाईदुज

८. प्रबोधीनी

९. श्री गुंसाईजी को उत्सव

१०. भोगी संक्रान्त

११. वसंत पंचमी

१२. होरी डंडारोपण (पूर्णिमा)

१३. होरी

१४. द्वितीया पाटोत्सव

१५. श्री यदुनाथजी को उत्सव

१६. राम नवमी

१७. श्री महाप्रभुजी को उत्सव

१८. अक्षय तृतीया

१९. नृसिंह जयंति

२०. गंगा दशमी

२१. रथयात्रा

२२. कसुंबा छठ्ठ

२३. आषाढी पूर्णिमा

२४. पवित्रा एकादशी

प्रधान षष्ठगृह की वंशावली

जगद्गुरु श्रीमद् श्री वल्लभाचार्य महाप्रभु (सवंत १५३५)

↓

श्री विट्ठलनाथजी गुसांइजी (सवंत १५७२)

↓

षष्ठ कुमार श्री यदुनाथजी महाराज (सवंत १६१५)

↓

ष.गृ.ति. २ श्री मधुसूधनजी (१६३४)

↓

ष.गृ.ति. ३ श्री प्रद्युमनजी (१६६०)

↓

ष.गृ.ति. ४ श्री विट्ठलनाथजी (१७१७)

↓

ष.गृ.ति. ५ श्री प्रद्युमनजी (१७६२)

↓

ष.गृ.ति. ६ श्री यदुनाथजी (१७८३)

↓

ष.गृ.ति. ७ श्री गोकुलनाथजी (१८१७)

↓

ष.गृ.ति. ८ श्री प्रद्युमनजी (१८३६)

↓

ष.गृ.ति. ९ श्री यदुनाथजी (१८६९)

↓

ष.गृ.ति. १० श्री वल्लभजी (१९०७)

↓

ष.गृ.ति. ११ श्री गिरधरलालजी (१९२३)

↓

ष.गृ.ति. १२ श्री वल्लभलालजी (१९६२)

↓

ष.गृ.ति. १३ श्री गिरधरलालजी
(श्री द्वारकेशलालजी) (२०२४)

↓

श्री वल्लभलालजी
(चि आश्रयकुमारजी) (२०५३)

↓

श्री यदुपतिजी
(चि यदुराजजी) (२०७७)

श्री पद्युमनजी
(चि कृष्णराजजी) (२०८१)

श्री विट्ठलनाथजी
(चि शरणमकुमारजी) (२०५६)

↓

श्री गोपीनाथजी
(चि गोवर्धनरायजी) (२०८१)

।। अथ श्री कल्याणरायाष्टकम ।।

आभीरनारी नयनोत्सवाय वृंदावनीयाद्भूतनर्तकाय ।
पूर्णेन्दु रासोत्सवमंगलाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। १ ।।

गोपांगनामण्डलमण्डिताय हस्ताब्जवंशी सुविभूषिताय ।
कल्याणरागेङ्गीतभावनाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। २ ।।

गोचारणव्याजवनेचराय रासेश्वरीमानह्रदिश्वराय ।
ब्रह्मेशदेवेश जनेश्वराय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ३ ।।

वृन्दाटवीकुंजनिषेविताय गोपांगनाभावविभाविताय ।
लीलाविलासे पशुपांगजाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ४ ।।

श्रीराधिकामुग्ध विलोचनाय लावण्यलक्ष्मीमवलंबिताय ।
द्वैतस्य भाने विमलाद्वयाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ५ ।।

श्री कौस्तुभालंकृतविग्रहाय कालप्रभावे कृतनिग्रहाय ।
श्रीवल्लभानुग्रहसंग्रहाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ६ ।।

मुक्तावलीभूषणभूषिताय राजीवनोत्राय चतुर्भुजाय ।
पीताम्बरायोन्नतकंधराय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ७ ।।

व्रजेश्वरानन्दफलप्रदाय भक्ताभिलाषापरिपूरकाय ।
स्वीयेषु कामं सकलेष्टदाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ८ ।।

कल्याणरायाष्टकमेतदेव भावेन नित्यं प्रपठेज्जनो यः ।
तस्याशुतुष्टः सकलेष्टदः स्यादेतेन कल्याणनिधिं प्रपध्ये ।। ९ ।।

इति श्री वल्लभाचार्यदासदासेन भाषितम् ।
श्रीमत्कल्याणरायाणामष्टकं पूर्णतामगात् ।। १० ।।

।। श्री कल्याणमस्तु ।।

कर्ता – तृ.पी.गो. १०८ श्री व्रजेशकुमारजी महाराजश्री
(कांकरोली)

वर्त्तमान गोस्वामि बालकन के जन्म दिन की गुर्जरमासानुसार सूचना

श्री नाथद्वारा

फा.शु.७	गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ **श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज,** श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) के लालजी १
मार्ग.कृ.३०	चि.गो.श्री भूपेशकुमारजी **(श्री विशाल बावा),** चि.गो. श्री विशाल बावा के लालजी १
फा.कृ.७	गो.चि. लाल गोविन्दजी **(श्री अधिराज बावा)**
आ.कृ.१३	गो. कल्याणराय जी गो. कल्याणराय जी के लालजी २
पौ.कृ.६	चि. श्रीहरिरायजी
अश्वि.शु.६	चि. श्रीवागधीशजी
माघ शु.१३ फा.शु.३	चि.हरिरायजी के लालजी २ चि.श्री वदान्य राय जी चि. द्विजराज जी
पौष शु.५	गो. श्री गोकुलोत्सव जी श्री गोकुलोत्सव जी के लालजी १
फा.शु.४	चि. श्री व्रजोत्सवजी चि. व्रजोत्सव जी के लालजी १
वै.शु.१२	चि. व्रजेश्वरजी
वै.कृ.४	गो. दिव्येशजी
	गो. श्री दिव्येश जी के लाल जी २
चै.शु.१४	चि. श्री प्रिय व्रजराय जी
का.शु.१०	चि. श्री अनुश्रुत जी

कांकरोली

ज्ये.शु.५	गो. पुरूषोत्तमजी
चै.कृ.४	गो. पीताम्बरजी
वै.कृ.६	गो. त्रिलोकीभूषणजी
	गो. पुरूषोत्तमजी के लालजी २
का.कृ.६	गो. श्रीव्रजभूषणजी
का.शु.१०	गो. चि. श्रीविट्ठलनाथजी
	श्री पीताम्बरजी के लालजी १
ज्ये.शु.१४	चि. व्रजालंकारजी

	गो. त्रिलोकीभूषणजी के लालजी १
वै.कृ.१३	गो. चि. व्रजाभरणजी
	चि. व्रजाभरण जी के लालजी १
भा.शु.२	चि.रणछोड़ राय जी
आ.सु.६	गो. रविकुमारजी
	गो. रविकुमारजी के लालजी २
श्रा.सु.३०	चि. मधुरमजी
माघ व.४	चि. प्रियम बावा
पौ.सु.६	गो. संजीव कुमार जी गो. संजीव कुमार जी के लालजी १
मार्ग.कृ.४	चि. विट्ठलनाथजी

जतीपुरा

वै.कृ.६	गो. लालमणीजी लालमणीजी के लालजी २

श्रा.शु.६	चि. गो. मिलनकुमारजी
चै.शु.६	चि. द्वारकेशलालजी
	श्री मिलनकुमारजी के लालजी १
श्रा.कृ.२	चि. कृष्णास्य बावा

कोटा-कड़ी

भा.कृ.६	चि. व्रजेशकुमारजी
माघ.व.१०	गो. चि. घनश्यामलालजी
आसो.सु.१०	गो. दामोदरलालजी
चै.व.१२	गो. चि. वल्लभलालजी
	गो. वल्लभलालजी के लालजी १
आषा.सु.८	चि. पुरूषोत्तमजी
	घनश्यामलालजी के लालजी २
फा.शु.७	गो.चि. कृष्णकुमारजी
	गो.चि. कृष्णकुमारजी के लालजी १
पौ.व.११	गो.चि. व्रजपाललालजी

फा.शु.११	चि. कुंजेशकुमारजी गो. चि. कुंजेशकुमारजी के लालजी २
मार्ग.व.२	गो.चि. गोविन्दरायजी
आश्वि.व.३	गो.चि. गोकुलमणीजी
आसो.व.३	गो. विनयकुमारजी
आषा.व.४	गो. शरदकुमारजी गो. शरदकुमारजी के लालजी १
चै.शु.१४	चि. पुलकित बाबा
श्रा.सु.७	गो. त्रिलोकीभूषणजी त्रिलोकीभूषणजी के लालजी १
ज्ये.कृ.१	राजीवलोचनजी
	व्रजेशकुमारजी के लालजी ३
चै.शु.६	चि यदुनाथजी चि. यदुनाथजी के लालजी १
पौ.कृ.५	चि. प्रद्युम्नजी
कार्ति.सु.१०	चि. द्वारकेशजी
कार्ति.सु.७	चि. जयदेवजी चि. जयदेवजी के लालजी १
मार्ग कृ.१३	चि. व्रजराजजी
	चि. दामोदरलालजी के लालजी २
श्रा.व.१२	चि. हरिरायजी
	चि. हरिरायजी के लालजी १
माघ कृ.१३	चि. गोकुलेश्वरजी
ज्ये.व.१०	चि. दर्शन कुमारजी
	चि. दर्शनकुमार जी के लालजी २
ज्ये.व.४	चि. व्रजाधीशजी
मा.कृ.७	चि. व्रजाधीपजी
कामवन	
फा.सु.२	गो. श्री वल्लभलालजी गो. श्री वल्लभलालजी के लालजी २
भा.कृ.२	चि. श्री देवकीनंदनजी
श्रा.कृ.१०	चि. श्री विट्ठलनाथजी
कामवन/सूरत	
आ.कृ.१४	गो. श्री द्वारकेशलालजी गो.श्रीद्वारकेशलालजी के लालजी २
फा.शु.३	चि. श्री अनिरुद्धलालजी

श्रा.कृ.१३	चि. श्री कन्हैयालालजी
	चि. श्री अनिरुद्धलालजी के लालजी २
श्रा.कृ.४	चि. श्री गोविन्दजी
का.शु.७	चि. श्री गोकुलचन्द्र जी
	चि. श्री कन्हैयालालजी के लालजी १
का.शु.१०	चि. श्री जयदेवजी

कामवन/भावनगर

भा.शु.१	गो. श्री नवनीतलालजी
	गो. श्री नवनीतलालजी के लालजी १
का.शु.१	चि. श्री गोकुलेशजी

कामवन/घाटकोपर

का.कृ.११	गो. मुरलीधर जी गो. मुरलीधरलालजी के लालजी १
मार्ग.शु.४	चि. श्री जयदेवलालजी
चै.कृ.१३	गो. श्री रघुनाथलालजी गो. श्री रघुनाथलालजी के लालजी २
मार्ग.शु.६	चि. श्री गिरधरजी
श्रा.कृ.५	चि. श्री दामोदर जी,

कामवन

आष.सु.११	गो. ब्रजेशकुमारजी
	गो. ब्रजेशकुमारजी के लालजी १
आ.कृ.६	गो. चि. अनिरूद्धजी चि. अनिरूद्धजी के लाल जी १
मा.कृ.६	चि. रमणजी (रसेश जी)
श्रा.व.३	गो. गोपाललालजी
आसो.व.१२	गो. कल्याणरायजी
माघ सु.४	गो. योगेशकुमारजी गो. योगेशकुमारजी के लालजी २
आ.व.१३	चि. श्रीव्रजोत्सवजी

श्रा.कृ.३०	चि. व्रजपालजी
भा.सु.१४	गो. शिशिरकुमारजी
	गो. चि. गोपालजी के लालजी १
आसो.व.४	चि. हरिरायजी
	गो.चि.कल्याणरायजी के लालजी १
भा.व.१	गो. चि. उपेन्द्रजी गो. चि. उपेन्द्रजी के लालजी २
का.कृ.५	चि. वल्लभलालजी
का.कृ.५	चि. घनश्यामलालजी

गोकुल

का.व.१०	गो. देवकीनन्दनजी गो. देवकीनन्दन के लालजी २
मा.व.३०	चि. वल्लभलालजी
का.सु.२	चि. विट्ठलनाथजी

वीरमगाम

आसो.व.१४	गो. रघुनाथ जी
आसो.व.६	गो. ब्रजेशकुमारजी गो. ब्रजेशकुमार जी के लालजी १
माघ व.६	चि. रसिकप्रितमजी
श्रा.व.८	चि. श्रीगोकुलेशजी

सूरत

मार्ग.सु.११	गो. वल्लभलालजी
आषा.व.४	गो. गोपेश्वरजी
पौ.व.३	गो. मुकुन्दरायजी
	गो. वल्लभलालजी के लालजी १
आसो.व.१	चि. अनुरागजी
	गो. गोपेश्वरजी के लालजी १
फा.व.६	चि. वत्सलराजजी
	चि. अनुरागरायजी के लालजी १
आसो.व.७	चि. पुरूषोत्तमरायजी
	गो. मुकुन्दराय जी के लालजी १
आसो.कृ.१२	चि. पीताम्बर रायजी

बड़ोदरा, शेरगढ़

का.व.४	गो. द्वारकेशजी
	गो. द्वारकेश जी के लालजी २
मा.व.१२	चि. आश्रयकुमार जी
ज्ये.सु.८	चि. शरणकुमार जी
	चि.आश्रयकुमार जी के लालजी २
का.कृ.४	चि. यदुराजजी
आषा.कृ.८	चि. कृष्णराजजी
	चि. शरणमुकुमारजी के लालजी १
फा.सु.८	चि. गोवर्धनरायजी

बड़ोदरा, सूरत

चै.सु.११	गो. मथुरेशजी
पौ.व.५	गो. प्रभुजी
	गो. मथुरेशजी के लालजी २
भा.सु.६	चि. योगेशकुमारजी
भा.व.२	चि. द्रुमिलकुमारजी
	गो. द्रुमिलकुमारजी के लालजी १
	चि. व्रजराजकुमारजी

चापासेनी-जामनगर-नडियाद

ज्ये.सु.५	गो. हरिरायजी
फा.व.१४	गो. व्रजरत्नजी
पौष सु.६	गो. नवनीतरायजी
आषा.सु.८	गो. बालकृष्णजी
आषा.सु.१५	गो. मुकुट बावा
फा.व.१२	गो. शरदवल्लभजी
फा.व.५	गो. उत्सवजी
आश्वि.शु.६	चि. पुरुषोत्तमजी
का.शु.४	चि. गोपेशजी
	गो. हरिरायजी के लालजी १
का.व.१२	चि. व्रजवल्लभजी
	गो. व्रजरत्नजी के लालजी १
अश्वि.सु.७	चि. गोकुलोत्सवजी
	गो. नवनीतलालजी के लालजी १
ज्ये.सु.१०	चि. अंजनरायजी
	गो. बालकृष्णजी के लालजी १
पौ.सु.१	चि. प्रियांकजी
	गो. उत्सवजी के लालजी २
श्रा.व.१२	चि. रसज्ञजी
का.व.१	चि. सर्वज्ञजी
	चि. व्रजवल्लभजी के लालजी २
वै.व.३	चि. रसार्द्रजी
भा.सु.३	चि. प्रेमार्दजी
	चि. गोकुलोत्सवजी के लालजी १
चै.सु.६	चि. कृष्णस्यजी
	चि. प्रियांकजी के लालजी १
वै.सु.५	चि. अभ्यंगजी

मथुरा

पौ.व.६	गो. प्राणवल्लभजी गो. प्राणवल्लभलालजी के लालजी २
का.शु.११	चि. व्रजवल्लभजी
चै.व.११	चि. जयवल्लभ जी
	चि. व्रजवल्लभजी के लालजी १
वै.कृ.११	चि. कृतार्थ बावा
भा.सु.५	गो. रसिकवल्लभजी

	गो. रसिकवल्लभ जी के लालजी २	भा.सु.८	चि. अभिषेककुमारजी
मा.शु.५	चि. समर्पण बावा		चि. अभिषेककुमारजी के लालजी १
आ.सु.६	चि. प्रागट्य कुमार जी	आषा.कृ.१३	चि. रक्षितकुमारजी
आषा.सु.१४	गो. शरदकुमारजी गो. शरदकुमारजी के लालजी ३	भा.सु.४	चि. रत्नेशकुमारजी
माघ व.६	चि. गोपाललालजी		चि. रत्नेशकुमारजी के लालजी १
	चि. गोपाललालजी के लालजी १	वै.शु.२	चि. यदुनाथजी
फा.कृ.१२	चि. अक्षतकुमारजी	मार्ग.व.२	गो. संदीपकुमारजी
का.सु.५	चि. व्रजभूषणलालजी	आसो.सु.१	गो. प्रणयकुमारजी
	चि. ब्रजभूषणलालजी के लालजी १		गो. प्रणयकुमारजी के लालजी २
आश्वि.शु.४	चि. ऋषभकुमारजी	फा.शु.१२	गो.चि. श्री अलंकारजी
ज्ये.सु.११	गो. प्रबोधकुमारजी	फा.शु.७	गो.चि. वृजरायजी
	गो. प्रबोधकुमारजी के लालजी २	पौ.व.६	गो. परितोषकुमारजी

मार्ग.व.८	गो. पंकजकुमारजी

वाराणसी

मार्ग.सु.२	श्याम मनोहरजी
	गो. श्याममनोहरजी के लालजी १
मार्ग.कृ.६	गो. चि. प्रियेन्दु बावा, गो. चि. प्रियेन्दु बावा के लालजी २
मार्ग.कृ.१३	चि. परिवृढ़ बावा
माघ.कृ.१०	श्री श्रृंगार बाबा

अहमदाबाद

का.सु.१२	चि. व्रजेन्द्रकुमारजी
	गो. व्रजेन्द्रकुमारजी के लालजी २
आसो.व.१०	चि. तिलक बावा
आश्वि.शु.१	गो.चि. आभरण बावा
	गो.चि. तिलक बावा के लालजी २
ज्ये.सु.२	गो. चि. निवेदन बावा
आ.व.१०	गो.चि. आभुषणजी बावा

मुम्बई

आ.सु.५	गो. मनमथरायजी
	गो. मनमथरायजी के लालजी १
भाद्र.व.१०	चि. मिथुनरायजी
मार्ग.व.६	गो. नीरजकुमारजी
	गो. नीरजकुमारजी के लालजी १
वै.व.१४	चि. गोविन्दरायजी
का.व.१३	गो. रमेशचन्द्रजी
माघ सु.६	गो. रमेशचन्द्रजी के लालजी १
माघ व.६	चि. रघुनाथजी
	चि. रघुनाथजी के लालजी २
भा.सु.५	चि. गोपीनाथजी दिक्षीत
	चि. गोपीनाथजी दिक्षीत के लालजी १
पौ.व.१३	चि. गोवर्धनेशजी
मार्ग.सु.२	चि. नागरमोहनजी

माघ व.६	गो. यदुनाथजी	मार्ग.व.४	गो. हृषीकेशजी
फा.सु.१५	गो. गोकुलनाथजी		गो. हृषीकेशजी के लालजी २
	गो. कृष्णजीवनजी के लालजी ५	आसो.सु.१	गो. राजीवलोचनजी
पौ.व.४	गो. मधूसुदन जी	वै.सु.७	रविरायजी
आषा.सु.२	गो. कृष्णकान्तजी	वै.व.४	गो. योगेशकुमारजी
	चि. कृष्णकान्त जी के लालजी १		गो. योगेशकुमारजी के लालजी १
श्रा.शु.११	चि. गिरिधरलालजी	भा.व.३०	चि. बालकृष्णलालजी
मार्ग.सु.४	गो. गोकुलनाथजी	का.व.४	गो. कमलेशकुमारजी गो. कमलेशकुमारजी के लालजी १
माघ.सु.६	गो. घनश्यामलालजी	फा.व.६	चि. मुकुन्दरायजी
	गो. घनश्यामलाल जी के लालजी १	आसो.सु.१	गो. मनमोहनजी
भा.कृ.८	चि. वृजानंदलालजी	आषा.व.३०	गो. हिरण्यगर्भजी गो. हिरण्यगर्भजी के लालजी १
आषा.सु.११	गो. ललितत्रिभंगीजी		
	गो. ललितत्रिभंगीजी के लालजी १	आ.कृ.११	चि. हैयंगवीनजी
फा.सु.८	चि. व्रजवल्लभलालजी		गो. मधुदसूदनजी के लालजी २

चै.सु.१०	चि. कृष्णचन्द्रजी
आसो.सु.११	गो. गोपिकालंकारजी
	गो. गोपिकालंकारजी के लालजी २
मा.व.१०	चि. गो. श्री भक्तवत्सल बावा
फा.व.२	चि. गो. श्री तिलकराय बावा

कान्दीवली-मुम्बई

ज्ये.सु.२	गो. द्वारकेशलालजी
कार्ति.सु.७	गो. पुरूषोत्तमजी
	गो. पुरूषोत्तमजी के लालजी १
आसो.व.२	गो. श्री विट्ठलराय जी

मुम्बई विलेपार्ले

आसो.सु.३	गो. रसिकवल्लभजी
चै.सु.६	गो. महेन्द्रकुमारजी
	गो. रसिकवल्लभजी के लालजी १
आसो.सु.१३	चि. शिशिरकुमारजी
	चि. शिशिरकुमारजी के लालजी १
पौ.कृ.५	चि. मुरलीमनोहरजी

मुम्बई-वेरावल-पोरबन्दर

माघ सु.८	गो. माधवरायजी
मार्ग.सु.६	गो. चन्द्रगोपालजी
	गो. चन्द्रगोपालजी के लालजी १
श्रा.कृ.६	चि. अनिरूद्धलालजी चि. अनिरूद्धलालजी के लालजी १
भा.सु.७	चि. स्वानन्द बावा
आसो.व.१४	गो. शैलेशकुमारजी
	श्री शैलेशकुमारजी के लालजी १
श्रा.सु.३	चि. लाडिलेशजी चि. लाडिलेशजी के लालजी १
चै.कृ.१३	चि. अविचलरायजी
	गो. माधवरायजी के लालजी १
आषा.व.४	चि. मुरलीधरजी

बोरीवली-जामखंभालिया

श्रा.व.१३	गो. राकेशकुमारजी
	गो. मुरलीधरजी के लालजी ३
का.व.१३	गो. त्रिभंगीलालजी
चै.व.११	गो. व्रजप्रियजी
माघ व.१०	गो. व्रजनाथलालजी
	गो. व्रजनाथलालजी के लालजी १
श्रा.सु.७	चि. ध्येयरायजी
वै.सु.१३	गो. राजीवलोचनजी
मार्ग.सु.२	गो. गोविन्दरायजी
	गो. गोविन्दरायजी के लालजी १
श्रा.सु.२	चि. रूचिरबाबा
	चि. रूचिरबाबा के लालजी १
का.व.८	चि. वल्लभलालजी
ज्ये.सु.१५	गो. गोपिकालंकारजी
	गो. गोपिकालंकारजी के लालजी १
फा.सु.२	चि. गो. द्वारकेशलालजी
	गो. राजीवलोचनजी के लालजी ३
आषा.व.५	चि. देवकीनन्दनजी
	चि. देवकीनन्दनजी के लालजी १
चै.व.११	चि. गो. वेदांग बावा
ज्ये.सु.४	चि. कुंजरायजी
श्रा.कृ.३	चि. गो. गिरिधरजी
	गो. त्रिभंगीलालजी के लालजी १
का.सु.३	चि. यमुनेशकुमारजी

जूनागढ

श्रा.व.३	गो. दानीरायजी
	गो. दानीरायजी के लालजी ४

का.सु.५	चि. पुरूषोत्तमजी
आषा.सु.११	गो. व्रजेन्द्रकुमारजी
	चि. व्रजेन्द्रकुमार जी के लालजी ३
भा.व.१	चि. ब्रजनाथजी
आश्वि.व.१३	चि. मधुरेशजी
चै.शु.६	चि. कृष्णराय जी
का.शु.१५	चि. विशालकुमारजी
	विशालकुमारजी के लालजी १
मा.शु.७	अर्णव बावा

पूना-मद्रास

चै.सु.४	गो. अजयकुमार जी
	गो. अजयकुमार जी के लालजी १
भा.कृ.६	चि. वागधीशकुमारजी
फा.व.११	गो. भरतकुमारजी
	गो. भरतकुमारजी के लालजी १
वै.व.२	चि. यशोवर्द्धन जी
	चि. यशोवर्द्धनजी के लालजी १
वै.शु.११	चि. कल्याणरायजी

मांडवी, गोकुल, जूनागढ़, बम्बई, राजकोट, बड़ोदरा

वै.सु.१४	गो. रणछोड़लालजी
माघ व.६	गो. अनिरूद्धलालजी
	गो. अनिरूद्धजी के लालजी १
वै.सु.१४	चि. रसिकरायजी
	चि. रसिकरायजी के लालजी १
श्रा.कृ.७	चि. अचिन्त्य जी
आ.कृ.६	गो. चन्द्रगोपालजी
का.सु.४	गो. भूषणजी
	गो. चन्द्रगोपालजी के लालजी २
का.सु.१२	चि. अन्वयजी
श्रा.सु.५	चि. प्रत्यय जी
	गो. भूषणजी के लालजी २

फा.कृ.३	चि. अव्ययजी
का.सु.८	चि. गोपालजी
का.व.४	गो. व्रजेन्द्रजी (जूनागढ)
	गो. व्रजेन्द्रजी के लालजी २
का.कृ.२	चि. ब्रजवल्लभजी
पौ.कृ.७	चि. पुण्यश्लोकजी
आश्वि.कृ.७	गो. श्री सांरगजी (बडोदरा)
	गो. श्री सारंगजी के लालजी १
फा.सु.१४	चि. उत्सव बावा

पोरबन्दर

वै.सु.७	गो. हरिरायजी हरिरायजी के लालजी १
मा.शु.११	चि. जयगोपालजी
	चि. जयगोपालजी के लालजी १
आश्वि.कृ.१	चि.भावनेशरायजी

मथुरा-पोरबन्दर

मार्ग.व.१०	गो. रसिकरायजी
माघ व.१२	गो. वसन्तकुमारजी
का.सु.६	गो. विशालकुमारजी
	गो. वसन्तकुमारजी के लालजी १
भा.व.१२	चि. श्रीकृष्णरायजी
फा.कृ.५	गो. अभिषेककुमारजी
	गो. अभिषेककुमारजी के लालजी १
चै.कृ.११	चि. द्वारकेशलालजी
वै.शु.३	गो. अक्षयकुमारजी
	गो. अक्षयकुमारजी के लालजी १
का.शु.६	चि.रमणेशजी
आषा.सु.७	गो. मिलनकुमारजी
	गो. मिलनकुमारजी के लालजी ३
मार्ग.शु.८	चि. गोकुलनाथजी
आश्वि.कृ.६	चि. विट्ठलेशरायजी
आश्वि.शु.११	चि. मथुरेशजी

लीलास्थ गोस्वामि बालकन के उत्सव की गुर्जरमासानुसार सूचना

"श्रावण"			"भाद्रपद"		
व.१	श्री गोवर्द्धनलालजी	नाथद्वारा	सु.४	श्री पुरूषोत्तमलालजी	चापासेनी
व.७	श्री रणछोड़लालजी	बम्बई	सु.७	श्री व्रजरत्नलालजी	सूरत
व.८	श्री कन्हैयालालजी	गोकुल	सु.८	गो. व्रजजीवनजी	कान्दीवली मुम्बई
व.९	श्री कृष्णजीवनजी	चैन्नई	सु.९	श्री पुरूषोत्तमलालजी	चापासेनी
व.११	गो. कन्हैयालाल जी	विरमगाम	सु.१०	श्री दामोदरलालजी	बम्बई
व.१२	श्री प्रद्युम्नलालजी	वेटद्वार	सु.११	श्री व्रजवल्लभजी	जूनागढ
व.१४	श्री गोपाललालजी	कांकरोली	सु.१२	श्री गोकुलनाथजी	बम्बई
व.३०	श्री कन्हैयालालजी	बम्बई	सु.१२	श्री अनिरूद्धलालजी	नडियाद
सु.२	श्री वल्लभलालजी	बम्बई	सु.१३	श्री पुरूषोत्तमलालजी	कोटा
सु.११	श्री गिरधारीलालजी	मुम्बई	व.१	श्री मदनमोहनजी	मुम्बई
सु.१२	श्री विट्ठलेशरायजी	चापासेनी	व.३	श्री गोवर्द्धनलालजी	बम्बई
सु.१२	श्री गोकुलेशजी	जूनागढ़	व.३	श्री दामोदरलालजी	मथुरा
			व.४	श्री चन्द्रगोपालरायजी	बडौदरा सूरत

व.७	श्री वल्लभलालजी	बड़ौदा	व.१३	श्री व्रजपाललालजी	मथुरा
व.७	श्री घनश्यामलालजी	सूरत	व.१४	श्री. जयदेवलाल जी	वीरगाम
व.८	श्री मुरलीधरजी	कोटा	व.१४	श्री प्रियव्रतरायजी	मुम्बई
व.८	श्री मुरलीधरजी	बेटद्वार		**''कार्त्तिक''**	
व.१०	श्री व्रजनाथजी	विलेपार्ले	सु.१	श्री गोवर्द्धनेशजी	बम्बई
व.११	श्री नृसिंहलाल जी	शेरगढ़	सु.१	श्री रमणलालजी	मथुरा
व.१२	श्री गोविन्दरायजी	कोटा	सु.३	श्री प्रदीपकुमारजी	मथुरा
	''आश्विन''		सु.४	श्री मधुसूदनलालजी	अमरेली
सु.७	श्री हरिरायजी	मुम्बई	सु.६	श्री पुरूषोत्तमलालजी	अमरेली
सु.११	श्री कृष्णकुमारजी	कामवन	सु.७	श्री लालमणिजी	कोटा
व.३	श्री घनश्यामलालजी	मुम्बई	सु.७	श्री जीवनेशजी	मुम्बई
व.५	श्री व्रजनाथजी	जामनगर	सु.८	श्री गोपाललालजी	मथुरा
व.६	श्री मगनलालजी	सूरत	सु.६	गो. अक्षयकुमारजी	मथुरा
व.१०	श्री व्रजरायजी श्री नटवरगोपालजी	अहमदाबाद	सु.१०	श्री गोकुलाधीशजी	बम्बई
व.१०	श्री कन्हैयालालजी	मथुरा, पोरबंदर	सु.११	श्री श्यामसुन्दरजी	बम्बई

सु.१३	श्री गोविन्दरायजी	कामवन
सु.१४	श्री जीवनलालजी	कोटा
सु.१५	श्री गिरधरलालजी	काशी
व.२	श्री पुरूषोत्तमलालजी	जूना
व.७	श्री गोविन्दलालजी	नाथद्वारा
व.८	श्री राजेन्द्रकुमारजी	मथुरा
व.१०	श्री उत्तमश्लोकजी	मुम्बई
व.१४	श्री जयदेवजी	वीरमगाम
''मार्गशीर्ष''		
सु.१३	श्री गिरधरलालजी	नाथद्वारा
सु.१४	श्री द्वारकेशलालजी	मांडवी
व.१	श्री दाऊजी (राजीवजी)	नाथद्वारा
व.३	श्री विट्ठलनाथजी	चापासेनी
व.३०	श्री गोविन्दरायजी	पोरबंदर
'पौष''		
सु.४	श्री गोकुलनाथजी	वेरावल
सु.५	श्री गोपेश्वरलालजी	नाथद्वारा
सु.६	श्री दामोदरलालजी	नाथद्वारा
सु.७	श्री रणछोड़लालजी	कोटा
सु.१०	श्री कल्याणरायजी	बम्बई
सु.१०	गो. श्रीवृजेशकुमारजी	कांकरोली
सु.१२	श्री विट्ठलनाथजी	बम्बई
सु.१३	श्री वल्लभलालजी	बोरी., जाम.
व.५	गो. वल्लभ दीक्षितजी	मुम्बई
व.८	श्री श्याम मनोहरजी	मथुरा-पोरबंदर
व.९	श्री वल्लभलालजी	बम्बई
व.९	श्री विट्ठलनाथजी	मथुरा
व.११	श्री रणछोड़लालाजी	राजकोट
व.१२	श्री व्रजभूषणलालजी	नड़ियाद
''माघ''		
सु.४	श्री कृष्णकुमारजी	मथुरा
सु.६	श्री अनिरूद्धलालजी	मुम्बई
सु.१३	श्री घनश्यामजी	कामवन
व.२	श्री व्रजभूषणलालजी	कांकरोली
व.२	श्री नटवरलालजी	मांडवी
व.४	श्री नृत्यगोपालजी	मुम्बई
व.५	श्री कल्याणरायजी	सूरत

"फाल्गुन"		
सु.३	श्री गिरधरजी	सूरत
सु.४	श्री गोकुलनाथजी	गोकुल
सु.८	श्री रमणजी	कामवन
सु.११	श्री गोविन्दरायजी	सूरत
सु.१२	श्री काकागिरधरजी	नाथद्वारा
सु.१३	श्री मुरलीमनोहरजी	मुम्बई
सु.१४	श्री मधुसुदनलालजी	सूरत
सु.१५	श्री माधवरायजी	पोरबंदर
व.५	श्री चिम्मनलाल जी	बम्बई
व.१३	श्री व्रजरायजी	अहमदाबाद
व.१३	श्री गोकुलनाथजी	माण्डवी-कच्छ
व.३०	श्री कृष्णचन्द्रजी	मुम्बई
"चैत्र"		
सु.१०	श्री गोपाललालजी	कोटा-कड़ी
सु.१३	श्री मुरलीधरजी	काशी
सु.१४	श्री पुरुषोतमजी	मुम्बई
सु.१५	श्री मुरलीधरलालजी	बोरीवली
सु.१५	श्री रघुनाथलालजी	गोकुल,मुंबई
व.१४	गो.यशोदानन्दनजी	बोरीवली
"वैशाख"		
सु.३	श्री देवकीनन्दनजी	कामवन
सु.६	श्री किशोरचन्द्रजी	जूनागढ़
सु.९	श्री यदुनाथजी	मथुरा
सु.१०	श्री मुरलीमनोहरजी	बडोदरा
सु.११	श्री यदुनाथरायजी	जतीपुरा
सु.१५	श्री माधवरायजी	मुम्बई
व.१	श्री द्वारकेशजी	पोरबन्दर
व.५	श्री रणछोड़लालजी	कोटा
व.७	श्री शरदकुमारजी	मथुरा, पोरबंदर
व.१०	चि. चन्द्रगोपालजी	मथुरा, पोरबंदर
व.११	श्री देवकीनन्दनजी	इन्दौर
व.१२	श्री दीक्षितजी	बम्बई
व.१४	श्री व्रजाधीशजी	मुम्बई
व.१४	श्री विट्ठलेशरायजी	पोरबंदर
व.३०	श्री वागीशरणजी	बम्बई

"ज्येष्ठ"		
सु.१	गो. मथुरेशजी	वीरगाम
सु.४	श्री त्रिविक्रमरायजी	कोटा
सु.५	श्री जीवनजी	बम्बई
सु.८	श्री मुकुन्दरायजी	राजकोट
सु.९	श्री गिरधरजी	कोटा
सु.११	श्री कल्याणरायजी	मथुरा
सु.१२	श्री द्वारकेशलालजी	कोटा
सु.१३	श्री जीवनलालजी	पोरबंदर
सु.१४	श्री द्वारकेशलालजी	बम्बई
सु.१५	श्री जीवनलालजी	काशी
व.४	श्री गिरधरलालजी	कामवन
व.८	श्री घनश्यामलालजी	मांडवी
व.१२	श्री ब्रजरमणलालजी	मथुरा
व.१४	श्री वागधीशजी	अमरेली
"आषाढ़"		
सु.२	श्री मगनलालजी	वेरावल
सु.२	श्री गोपाललालजी	कामवन
सु.३	श्री गोपालालजी	कांकरोली
सु.३	श्री मथुरेशजी	मुम्बई
सु.३	श्री वल्लभलालजी	कामवन
सु.३	श्री दामोदरलालजी	चापां
सु.५	श्री दामोदरलालजी	राजकोट
सु.५	श्री विट्ठलेशरायजी	कां.मुम्बई
सु.८	श्री चिमनलालजी	मांडवी, गो.
सु.१२	श्री मथुरेशकुमारजी	मथुरा, पोरबंदर
सु.१३	श्री रघुनाथजी	जूनागढ़
सु.१४	गो. देवेन्द्रकुमारजी	नाथद्वारा
व.१	श्री गोकुलेशरायजी	जूनागढ़
व.३	श्री नटवरगोपालजी	(मु.-वेरावल - पोरबन्दर)
व.८	रसिकरायजी	चापासेनी नडियाद
व.८	श्री यदुनाथजी	सूरत
व.८	श्री घनश्यामलालजी	कामवन
व.१०	श्री व्रजरत्नलालजी	नडियाद
व.११	श्री विट्ठलेशरायजी	इन्दौर
व.११	श्री बालकृष्णलालजी	सूरत
व.१२	श्री विट्ठलेशरायजी	बम्बई
व.१३	श्री बालकृष्णजी	कांकरोली
व.१३	श्री कृष्णरायजी	इन्दौर
व.१३	श्री गोकुलेशजी	बम्बई

જોયાને મન મારા મોહ્યા

જોયાને મન મારા મોહ્યા
વડોદરાના કલ્યાણરાયજી
કલ્યાણરાયજીને મદન મોહનજી
મદનમોહનજીને કપુરરાયજી.... જોયાને

સ્વરૂપ તમારું નિરખ્યું નિરખાય ના
દર્શનનો આનંદ માપ્યો મપાય ના
અંતરના સુખ મેં તો જોયા .... જોયાને

ભાલે તિલકને કરમાં છે કંકણ
માથે મુકુટ શોભે જશોદાનંદન
કુંડળમાં મન મારા મોહ્યા .... જોયાને

સોળે શણગાર મારું મનડું લોભાવે
કંઠે વનમાળ મારા નયનો ભીંજાવે
સઘળા સંતાપ મેં તો ખોયા .... જોયાને

દ્વારકેશ મહારાજશ્રીને માથે બીરાજે
વૈભવ નિહાળી પેલો ઇન્દ્રરાજ લાજે
વલ્લભના સ્વામી મેં તો જોયા .... જોયાને

આનંદ અંગ ન સમાયજી

સખી મારે આનંદ અંગ ન સમાયજી

વડોદરામાં પધાર્યા શ્રી કલ્યાણરાયજી

વૈષ્ણવના ભાગ્ય તણો નહીં પારજી

દૈવી તે જીવનો કરવા ઉધ્ધારજી

સૈયર સર્વે જોડે ત્યાં આવેજી

પ્રભુજીને મોતીડે વધાવેજી

સર્વે વૈષ્ણવનો મળ્યો સાથજી

નાચો ગાવો ત્યાં તાળી વગાડોજી

હૈડા માં હરખ તણો નહીં પારજી

એને રુડુ મુખડે કહ્યો નવ જાયજી

શોભા જોઈ દાસનો દાસ બલરાયજી

दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं ।

रविवार	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोमवार	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत
मंगलवार	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुधवार	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ
गुरुवार	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्रवार	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल
शनिवार	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल

दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं ।

रविवार	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोमवार	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल
मंगलवार	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल
बुधवार	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरुवार	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्रवार	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग
शनिवार	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ

श्री गोकुलनाथजी के वचनामृत व्रज के मास सूं देखने । तीज-तेरस, चौथ-चौदश, पंचमी-पून्यो एक जाननो, अमावस तजनी । वचनामृत में विश्वास राखि के प्रयाण करें तो मनोरथ सिद्ध होय ।

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	अ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	महिना तिथिन के फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहोत सुख होय, कलेश नहीं, अर्थ पूर्ण होय
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	अर्थ पूर्ण होय, मनोरथ सिद्ध होय, कामना पूर्ण होय
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	कलेश-जीवनाश होय, कुशल सूं घर आवें नहीं
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	महा चिन्ता होय, वियोग होय, कदाचित् घर आवें
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	सौभाग्य, रत्न-सहित, भलि-भाँति सूं घर आवें
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	मिलनो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश दुःख पावें
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावें, कामना सिद्ध होय
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य, दिन बहोत लगें, कुशल सूं घर आवें
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावें नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि मिले, मित्र मिले, विध्न मिटे, धन को लाभ

विश्व एवं भारतवर्ष में शुद्धाद्वैत पुष्टि भक्तिमार्ग के माध्यम से धर्म – संस्कार एवं समाज के कार्यो में प्रर्वत श्रीमद् वल्लभाचार्य षष्ठपीठ अंतर्गत प्रमुख हवेली एवं संस्थान ।

भारत

* श्री कल्याणरायजी हवेली - बडौदा ।
* श्री गोवर्धन गोपाल हवेली - घडीयाली पोल, बडौदा ।
* श्री वल्लभधाम - दूधेश्वर, आजवा रोड, बडौदा ।
* श्री गोवर्धननाथजी हवेली - निझामपुरा, बडौदा ।
* नंदालय हवेली - गोत्री, बडौदा ।
* श्री गोवर्धननाथजी हवेली - मांजलपुर, बडौदा ।
* कल्याणधाम हवेली - भायली, बडौदा ।
* कल्याण कृपा हवेली - तलसट, बडौदा ।
* पुष्टिधाम - गोधरा ।
* श्री महाप्रभुजी बेठकजी - नरोडा, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याण पुष्टि हवेली - वस्त्रापुर, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - ढाल की पोल, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याणकृपा हवेली - नरोडा गाम, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - गोकुल ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - जतीपुरा ।
* श्री गोवर्धननाथजी मंदिर - अमृतसर ।
* श्री गोवर्धननाथजी मंदिर - सिकंदराबाद ।
* श्री द्वारकाधिश मंदिर - झालरापाटन ।
* श्री कल्याणपुष्टि हवेली - गोवर्धननाथजी मंदिर - विदिशा ।
* श्री कल्याणपुष्टि हवेली - वृंदावन ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - शेरगढ़ ।

विदेश

* गोकुलधाम हवेली - अेटलान्टा, यु.अेस.अे ।
* श्री वल्लभधाम हवेली - कनेकटीकट, यु.अेस.अे ।
* श्रीनाथजी हवेली - बेंसलेम, पी.अे., यु.अेस.अे ।
* श्रीनाथजी हवेली - न्यु हेवन, सी.टी., यु.अेस.अे ।
* नंदगाव हवेली - ऑस्टिन, टी.अेक्ष, यु.अेस.अे ।
* श्री द्वारकाधिश टेम्पल - पर्लिन, न्युजर्सि, यु.अेस.अे ।
* पुष्टिधाम हवेली - ओकाला, फलोरीडा, यु.अेस.अे ।
* श्रीमय क्रिष्णधाम - केलीफोर्निया, यु.अेस.अे ।
* श्रीजीद्वार हवेली - अेडीशन, शीकागो, यु.अेस.अे ।
* हिंदु सनातन मंदिर - वेम्बली, लेटनस्टोन, यु.अेस.अे ।
* श्री वल्लभनिधि, यु.के. ।
* श्रीजीधाम हवेली - लेस्टर, यु.के ।
* व्रज केनेडा - ब्रेंपटन, केनेडा ।

श्रीमद् वल्लभाचार्य षष्ठपीठ

"षष्ठपीठ", श्री कल्याणरायजी हवेली,
बाजवाडा, शेठ शेरी, मांडवी, वडोदरा.
फोन नं.(0265) 2423322, 2426942
Email: kalyanraijimandir@outlook.com
श्री द्वाकेशलालजी महाराजश्री ओफिस
नं. 9988553341